भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 732
शुक्रवार, 23 जुलाई, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंपों का पूर्वानुमान

732: डॉ. हिना विजयकुमार गावीत:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
डॉ. सुजय विखे पाटील:
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(1) क्या सरकार जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में अपनाए जा रहे मॉडलों के आधार पर भूकंप के सटीक पूर्वानुमान के लिए कोई विशेष कार्ययोजना तैयार कर रही है;
(2) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर होने वाली तबाही और लोगों की मृत्यु पर किस हद तक अंकुश लगाया जा सकेगा;
(3) देश में भूकंप का सटीक पूर्वानुमान प्राप्त के लिए मौजूदा अनुसंधान केंद्रों की स्थिति का ब्यौरा क्या है; और
(4) सरकार द्वारा उक्त केंद्रों का अत्याधुनिक स्तर पर उन्नयन करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(1) अब की तारीख में विश्व में कहीं भी, कोई प्रामाणिक वैज्ञानिक तकनीक उपलब्ध नहीं है, जिससे स्थान, समय और परिमाण की सटीकता की उचित श्रेणी के साथ भूकंप की घटना का पहले से ही पूर्वानुमान लगाया जा सके। किसी भी देश के पास भूकंप का पहले से पूर्वानुमान लगाने की क्षमता नहीं है।

तथापि, भूकंप की पी-वेव के आगमन के समय के आधार पर भूकंप आने पर लोगों को सचेत करने के लिए भूकंप पूर्व चेतावनी (ईईडब्ल्यू) प्रणाली विकसित करने के लिए भारत और अन्य जगहों पर अनुसंधान प्रयास किए जा रहे हैं। हालाँकि चेतावनी का समय बहुत कम होता है और यह क्रम कुछ सेकंड का होता है। वास्तविक समय संचालन के लिए प्रणाली पर विचार करने से पहले ऐसी चेतावनी प्रणाली की निष्ठा,मजबूती और सफलता दर का पूरी तरह से मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

तथापि, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र में भूकंप की घटनाओं की निगरानी के लिए भूकंपीय स्टेशनों (115 स्टेशनों) के एक बड़े नेटवर्क का उपयोग किया जाता है और भूकंप की घटना के लगभग 5 मिनट के भीतर समय, तीव्रता और परिमाण के बारे में सूचना प्रदान की जाती है।

(2) प्रश्न नहीं उठता।
(3) प्रश्न नहीं उठता ।
(4) प्रश्न नहीं उठता ।